

पैगोंग झील पर चीनी सेतु

स्रोत: बज़िनेस स्टैंडर्ड

चर्चा में क्यों?

चीन ने पूरबी लद्दाख में पैगोंग त्सो झील के उत्तरी और दक्षिणी किनारों को जोड़ने वाले एक सेतु का निर्माण को पूरुण करने के साथ-साथ उस पर आवागमन प्रारंभ कर दिया है।

- इससे चीन की पीपुल्स लबरेशन आरमी (PLA) को अपने सैनिकों और टैंकों को जुटाने में लगने वाले समय को काफी कम करने में मदद मिलेगी।

पैगोंग झील विवाद क्या है?

- झील के बारे में:
 - पैगोंग त्सो ट्रांस-हिमालय में लद्दाख में 14,000 फीट से अधिक की ऊँचाई पर एक लंबी, संकरी, गहरी, अंतरदेशीय झील है।
 - भारत और चीन के पास क्रमशः पैगोंग त्सो झील का लगभग एक-तहाई तथा दो-तहाई हिस्सा है।
 - पैगोंग त्सो का पूरबी छोर तिब्बत में स्थित है।
 - यह एक विवर्तनिकी झील है जो तब बनी जब भारत गोंडवानालैंड से पृथक होकर एशिया से जुड़ गया और हिमालय पर्वत श्रेणी का निर्माण करने के लिये एशियाई क्षेत्र पर दबाव बनाते हुए उस स्थान को वसिथापति कर दिया जो कभी टेथिस महासागर था।
- विवादित "फगिरस" क्षेत्र:
 - झील के उत्तरी तट पर "फगिरस" के रूप में जानी जाने वाली रेखाएँ हैं।
 - भारत का दावा है कि LAC फगिर 8 से होकर गुजरती है लेकिन फगिर 4 तक नयितरण रखती है, जबकि चीन का दावा है कि LAC फगिर 2 पर है।
 - हाल के तनावों के कारण चीनी सेना ने भारतीय सैनिकों को फगिर 2 से आगे बढ़ने से रोक दिया है।
- सामरिक महत्त्व:
 - यह बुशुल अप्रोच पथ में स्थित है, जो चीनी आक्रमणों के लिये एक संभावित मार्ग है।
 - वर्ष 1962 के युद्ध में, चीन ने इस क्षेत्र में अपना मुख्य आक्रमण शुरू किया और भारतीय सेना ने रेजांग ला में वीरतापूर्वक लड़ाई लड़ी।
 - चीन ने झील के तटों पर मोटर योग्य सड़कें बनाई हैं और अपने हुआंगयांगटन बेस पर इस क्षेत्र का एक बड़े पैमाने पर मॉडल बनाया है।



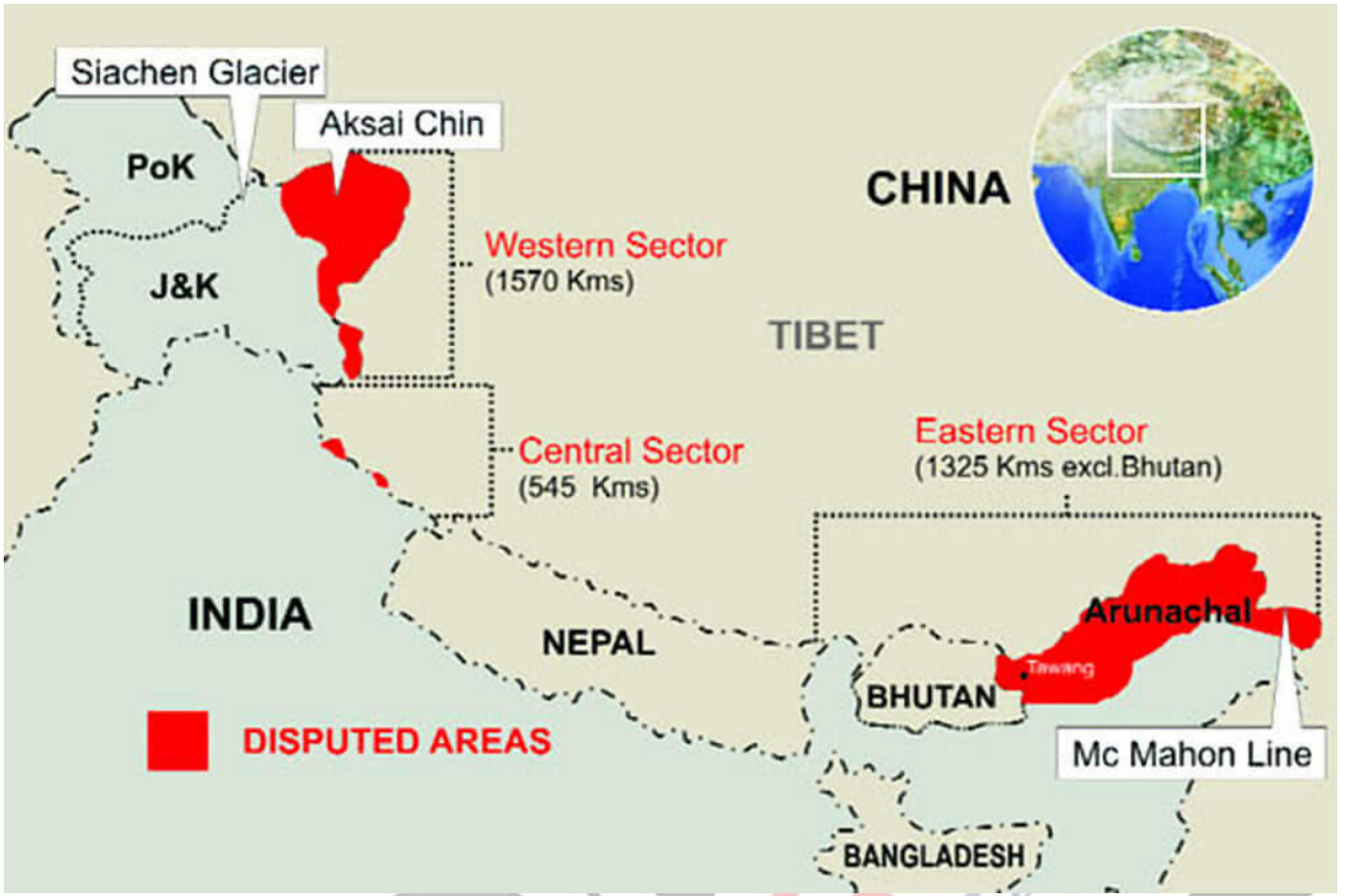
पैगोंग झील पर पुल के संबंध में भारतीय चर्चाएँ क्या हैं?

- इससे चीन के सैनिकों और टैंकों को रेज़ांग ला सहित झील के दक्षिणी तटों तक तेज़ी से पहुँच मलि जाएगी, जहाँ भारतीय सेना ने वर्ष 2020 में उन्हें मात दी थी।
 - भारतीय सेना ने वर्ष 2020 में पैगोंग त्सो झील के दक्षिणी तट पर प्रमुख ऊँचाइयों पर अधगिरहण कर लयि।
 - इसके प्रत्युत्तर में नई चीनी सेतु बनाई गई।
- यह कथति तौर पर पैगोंग झील के दक्षिणी तट पर PLA की मोलडो गैरीसन को सुदृढ़ करेगा।
 - इससे PLA को रुटोग बेस पर मोटर चालति इकाइयों को तेनात करके मोलडो गैरीसन को तेज़ी से सुदृढ़ करने में भी सहायता मलिंगी।



भारत-चीन सीमा विवाद

- भारत-चीन सीमा (3,488 किलोमीटर) कुछ क्षेत्रों में स्पष्ट रूप से परिभाषित नहीं है और कुछ हिस्सों में कोई पारस्परिक रूप से सहमत नियंत्रण रेखा (LAC) नहीं है। LAC की स्थापना वर्ष 1962 के भारत-चीन युद्ध के बाद की गई थी।
- भारत-चीन सीमा तीन क्षेत्रों में विभाजित है:
 - पश्चिमी क्षेत्र: लद्दाख
 - मध्य क्षेत्र: हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड
 - पूर्वी क्षेत्र: अरुणाचल प्रदेश और सikkिम
- विवाद के मुख्य क्षेत्र पश्चिमी क्षेत्र में स्थित अक्साई चिन तथा पूर्वी क्षेत्र में स्थित अरुणाचल प्रदेश हैं।
 - अक्साई चिन पर चीन का नियंत्रण है, जो शनिजियांग का हिस्सा है, लेकिन भारत इसे लद्दाख का हिस्सा बताता है।
 - चीन पूरे अरुणाचल प्रदेश राज्य पर दावा करता है और इसे "दक्षिण तिब्बत" कहता है। भारत इस क्षेत्र को पूर्वोत्तर राज्य के रूप में प्रशासित करता है तथा अपने क्षेत्र का अभिन्न अंग मानता है।



LAC पर अन्य चीनी सैन्य अवसंरचना

- कनेक्टिविटी: सेमजंगलगी के उत्तर से गलवान घाटी तक सड़क का नरिमाण,
- भूमिगत बंकर: LAC के साथ नए भूमिगत बंकर, शविरि, आश्रय, तोपखाने की स्थिति, रडार साइट और गोला-बारूद डंप का नरिमाण ।
- हवाई युद्ध: उच्च ऊँचाई वाली लड़ाकू चुनौतियों का मुकाबला करने के लिये अतिरिक्त लड़ाकू विमानों, बमवर्षकों, टोही विमानों और ड्रोन की तैनाती ।
- सीमावर्ती गाँव: नए दोहरे उपयोग वाले 'ज़ियाओकांग' सीमावर्ती गाँवों का नरिमाण ।
- रथिर एरिया इन्फ्रास्ट्रक्चर: पैगोंग त्सो के दोनों किनारों पर बफर ज़ोन में सैन्य और परविहन बुनियादी ढाँचे को मज़बूत करना ।

भारत ने LAC पर सैन्य बुनियादी ढाँचे के प्रतिक्रिया दी?

- सड़क नरिमाण: वगित पाँच वर्षों में सीमावर्ती क्षेत्रों में लगभग 6,000 किलोमीटर सड़कों का नरिमाण कया गया है, जनिमें से 2,100 किलोमीटर उत्तरी सीमाओं पर नरिमति हुई है । उदाहरण के लिये, [दारबुक-श्याोक-दौलत बेग ओल्डी \(DSDBO\) सड़क](#) ।
- सुरंगें: लद्दाख में सभी मौसम में संपर्क वाली परियोजनाएँ जैसे कि [ज़ोजिला एवं जेड-मोड](#) सुरंगें और अरुणाचल प्रदेश में जैसे कि [सेला सुरंग](#) तथा [नेचपि सेतु](#) स्थापति कये गये हैं ।
- सैन्य आवास: लद्दाख में बुनियादी ढाँचे और आवास पर वगित तीन वर्षों में 1,300 करोड़ रुपए खर्च कये गये हैं, जसिमें [शीला आश्रयों तथा फ्यूल सेलर्स \(Sheela Shelters and Fuel Cells\)](#) जैसे हरति समाधान शामिल हैं ।
- पवन ऊर्जा अवसंरचना: सामग्री की पुनःआपूर्ति के लिये हेवी लिफ्ट और रसद हेलीकॉप्टरों की उपलब्धता बढ़ाना, उदाहरण के लिये [C17 ग्लोबमास्टर](#) एवं [C-130J सुपर हरक्यूलिस](#) की तैनाती ।

UPSC सविलि सेवा परीक्षा, वगित वर्ष के प्रश्न

??????????:

प्रश्न. सियाचिनि ग्लेशियर स्थिति है: (वर्ष 2020)

- (a) अकसाई चनि के पूरव में
- (b) लेह के पूरव में
- (c) गलिगति के उत्तर में
- (d) नुबरा घाटी के उत्तर में

उत्तर: (d)

??????????:

प्रश्न: "चीन अपने आर्थिक संबंधों एवं सकारात्मक व्यापार अधशेष को, एशिया में संभाव्य सैनिक शक्ति हैसयित को बकिसति करने के लयि, उपकरणों के रूप में इस्तेमाल कर रहा है।" इस कथन के प्रकाश में, उसके पडोसी के रूप में भारत पर इसके प्रभाव पर चर्चा कीजयि। (2017)

PDF Refernece URL: <https://www.drishtias.com/hindi/printpdf/chinese-bridge-on-pangong-lake>

